

Janki Devi Memorial College
Centre for Universal Values and Ethics
(2023 - 2024)

Event - International Conference on Indigenous Knowledge Systems and their Relevance in Contemporary Times, Sponsored by Indian Council of Social Sciences (ICSSR)

Date - 23-24 April, 2024.

Venue - Seminar Room

Time - 9:30 am

DAY -1 INAUGURAL SESSION -Seminar Room

Janki Devi Memorial College and the IQAC- Centre for Universal Values and Ethics(CUVE) organized a two day International conference on Indigenous Knowledge Systems and their Relevance in Contemporary Times from April 23-24, 2024. The conference was sponsored by Indian Council of Social Sciences(ICSSR)

The Inaugural session on day one commenced on schedule with a formal felicitation of the distinguished scholars, after which the Principal, Prof.Swati Pal welcomed every one with the opening address and spoke in detail about the Indigenous Knowledge Systems , Dr.Perna Arora, Director, CUVE & TIC Department of Music Introduced the Centre and the conference theme. Thereafter Prof. Dhananjay Singh, Member Secretary, ICSSR & Guest of Honour highlighted the contemporary relevance of the Indigenous Knowledge Systems. He quoted Prof. Kapil Kapoor who had initially introduced the concept of IKS. He said that self criticality was essential in bringing uniformity within IKS. In this regard he made distinction between *purva paksha* and *uttara paksha*. He also said in his speech on how important dialogues, debates and discussions were being highlighted in IKS. He referred to Nagarjun and Abhinav Gupta and also spoke about the death of the author and linked it to the orality of the IKS. Lastly he appreciated the Centre for choosing such a relevant topic and correlating it with the contemporary times.

The next speaker, Prof. Nandini Sahu, Former Director and Professor of English, School of Humanities,IGNOU presented the inaugural address. In her sermon she highlighted the orality of the text and spoke about the various aspects of folk literature and folklore. She emphasized upon folk lore as not limiting it to only music, dance and drama but also understanding the psychological, philosophical, literary, traditional and historical aspects which form the core of folk culture. Finally, she encouraged the audience and requested the faculty members do further research in this area. She thanked Prof. Swati Pal for permitting several faculty members to work

with her in this area. She concluded with congratulating the organizers and encouraged them to hold such meaningful conferences in the future as well.

The keynote address was presented by Prof. Om Bimili, Head, Department of Sanskrit Studies, University of Delhi. He began his discourse with the three questions 1. What 2. How 3. Why? He said that in order to seek knowledge in any subject the most important aspect to evoke within was the method of such questioning. He said what distinguished IKS from other knowledge systems was spirituality and consciousness and he described what spirituality and consciousness were. Making distinction between *Atma* and *Sharir*. He said *Atma* was derived from *Ath dhatu* meaning eternal. He then discussed *Sharir* which meant *kshin and jeen* which is perishable. Further he explained the connection between mind and consciousness. He concluded his talk urging more and more students to undertake research on the various aspects of IKS. Finally, Dr. Prerna Arora, presented a vote of thanks to all the speakers for their enriching presentations.

THEME -1 -DAY -1, Plenary Session SESSION-1 Seminar Room-Consciousness and Spirituality

Chair: Professor Sudha Upadhyaya. Department of Hindi, Janki Devi Memorial College, University of Delhi.

प्रातः काल उद्घाटन सत्र के पश्चात् सम्मेलन के प्रथम सत्र का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक था कॉन्शसनेस एंड स्पिरिचुअलिटी। इस सत्र के गणमान्य वक्ता थे वैदिक मनीषि डॉ. भारद्वाज पांडेय, सार्वभौमिक मूल्य और नैतिकता केंद्र की निदेशक डॉ. प्रेरणा अरोड़ा तथा दर्शन शास्त्र विभाग की डॉ. जयंती पी. साहू। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. सुधा उपाध्याय ने की। बीज वक्तव्य में प्रो. सुधा ने कहा कि आध्यात्मिकता के कुछ आवश्यक बिंदु हैं - आप स्वयं अपने दुख, क्रोध, क्लेश के लिए जिम्मेदार हैं, आपका प्रत्येक कार्य सभी की भलाई के लिए हो तथा आप सदैव अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच तथा ईर्ष्या पर काबू पाने की कोशिश में रहें। प्रथम वक्ता डॉ. भारद्वाज पांडेय जी ने अपने व्याख्यान "संस्कृति तथा सभ्यता" के अंतर्गत भारतीय संस्कृति और सभ्यता के समूचे मानचित्र से पूरे सदन को परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि संस्कार जन्य व्यवहार ही संस्कृति है और भारतीय संस्कृति ही प्रथम ऐसी संस्कृति है जो वरेण्य है। वर्ण व्यवस्था के वैज्ञानिक पहलुओं पर विषद् चर्चा की। आध्यात्मिक व्यक्ति कभी निष्क्रिय नहीं हो सकता, न ही वह किसी परोक्ष सत्ता पर निर्भर रहता है। ऐसा व्यक्ति बाहर की अपेक्षा भीतर अधिक सक्रिय रहता है और यही भीतरी सक्रियता उसके व्यवहार में झलकती है। व्यवहार जितना परिष्कृत होता है वह उतना ही धार्मिकता और नैतिकता का परिचायक होता है। अध्यात्म शून्य धर्म या नैतिकता वास्तव में धर्म या नैतिकता की पहचान नहीं। अपने वक्तव्य के द्वारा आज के समय में आध्यात्मिक चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत से परिचित कराने की प्रक्रिया में डॉ. भारद्वाज पांडेय जी ने श्रोताओं की जिज्ञासाओं का शमन किया।

इसी सत्र की दूसरी वक्ता, आध्यात्मिक चेतना प्रकोष्ठ की निदेशक तथा संगीत विभाग की वरिष्ठ व्याख्याता डा. प्रेरणा अरोड़ा जी ने मानव जीवन में भगवद्गीता की भूमिका विषय पर विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से मानव मात्र को जीवन जीने की कला सिखाते हुए उसे स्वयं की शक्ति व सामर्थ्य पहचानने का आह्वान किया है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में कभी ना कभी विशाद ग्रस्त होकर किंकर्तव्यविमूढ हो जाता है। ऐसे समय में गीतोक्त उपदेश

मार्ग दर्शन करते हैं। डा. प्रेरणा ने आगे कहा कि श्री कृष्ण ने सार्वजनीन संदेश देते हुए अर्जुन को सुख दुःख, लाभ हानि, जय पराजय को समान समझते हुए युद्ध (अपना कर्तव्य) करने को प्रेरित किया। युक्त आहार (परिमाण, गुणवत्ता तथा समय की दृष्टि से) युक्त विहार (क्रिया तथा आराम) एवं कर्मों से युक्त चेष्टा (करणीय कर्मों को उचित रूप से करना) व युक्त निद्रा ये सब कार्य सिद्धि की कुंजियां हैं। अंत में स्थितप्रज्ञ के लक्षण बताते हुए डॉ प्रेरणा ने शिक्षार्थियों को जीवन के उतार चढ़ाव में भगवद्गीता ज्ञान नौका से प्रत्येक परिस्थिति में सहजता से पार जाने की राह दिखाई। इस प्रकार उन्होंने आकर्षक पीपीटी के माध्यम से जिज्ञासु श्रोताओं के समक्ष मनुष्यता के विकास में आध्यात्मिकता व चेतना के कई बिंदुओं को दैनिक जीवन से जोड़ते हुए प्रेरणा पद एवं रोचक व्याख्यान दिया।

तीसरी वक्ता के रूप में डॉ जयंती साहू जी ने भारतीय दर्शन परंपरा से जोड़ते हुए वैज्ञानिक व्याख्या की। उन्होंने आध्यात्मिक जागृति एवं विश्वास व अनुभव को घुलाने मिलाने की बात कही। आध्यात्मिक चेतना मानव मूल्यों की वह व्यवस्था है जो अधिक सुखमय जीवन के लिए हमारे व्यवहार को आकार देती है। आध्यात्मिकता इस दौर में सुख की कुंजी है। नैतिकता, अनुशासन, ज्ञान और समाज का विकास ये सारी बातें आपस में एक दूसरे की पूरक हैं।

इस सत्र का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा गरिमा ने किया। उपस्थित श्रोताओं को औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो सुधा उपाध्याय ने कहा मनुष्य स्वयं ही बनता या बिगड़ता है। विचार के शस्त्रागार में वह हथियार अथवा ऐसे उपकरण बनाता है जिससे वह खुद को नष्ट भी कर सकता है और या फिर अपने लिए आनंद, शक्ति और शांति का स्वर्ग सरीखा भवन भी बना सकता है। सही विकल्प पर विचार कर सच्चे प्रयोग से मनुष्य दिव्य पूर्णता की ओर बढ़ता है, दुरुपयोग से पशु के स्तर से भी नीचे गिर जाता है। इन दो चरम सीमाओं के बीच चरित्र के सभी स्तर हैं और मनुष्य उनका निर्माता और स्वामी है। अंत में संस्थान की प्राचार्य प्रोफेसर स्वाति पाल जी एवं सम्मानित अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया। सत्र के आयोजन में संलग्न निदेशक डॉ प्रेरणा अरोड़ा, डॉ गुरिंदर हरनाम सिंह, डॉ रेणुका, डॉ हर्ष बाला, सुश्री भावना, सुश्री अनुराधा, सुश्री अलका तथा डॉ वंदना का भी आभार व्यक्त किया गया। प्रो सुधा उपाध्याय ने ऐसी आशा जताई कि इस सत्र से विद्यार्थियों को अवश्य लाभ हुआ होगा। इस प्रकार यह सत्र अतीव सार्थक रहा।

Day 1- Theme -1 Paper Presentation on Consciousness and Spirituality- Room no.68.

Chair: Dr. Renuka Singh, Department of Political Science, Janki Devi Memorial College, University of Delhi.

The paper presentation session on the theme Spirituality and Consciousness of the two-day ICSSR sponsored International Conference was held on 23rd April 2024 at 12:30 PM in room no. 68. The session was chaired by Dr. Renuka Singh, Associate Professor, Department of Political Science, Janki Devi Memorial College. In total, four papers were presented in this session highlighting different aspects of the Indian knowledge system.

The first paper presentation 'The Timeless Relevance of India's Ancient Knowledge Systems' was by Dr. Gurinder Harnam Singh who explained the importance of ancient virtues like patience, concentration, celibacy, sharp focus and attention in enhancing the quality of life, Knowledge and wisdom. The second presentation was by Prof. Sandhya Garg, Professor Hindi Department, Janki Devi Memorial College. In her presentation, she focused upon the significance of certain ancient practices, colors and nature hold and their symbolic representation

in ancient wisdom. She also spelt out the scientific rationale behind this symbolic representation. Professor Ruby Bhardwaj, Department of Sociology, Janki Devi Memorial College mapped the evolution of yoga as an ancient practice to a scientific technique of physical and mental well-being. The last presentation of the session was by Dr. Tanuja Rawal, Associate Professor, Department of Sanskrit, Janki Devi Memorial College, who foregrounded her presentation on the relevance of Gita in resolving the daily problems we encounter in day-to-day routine and leading a meaningful life. The session ended with inputs from the chair and formal vote of thanks.

Day 1- Theme -1-Session -1. Parallel Paper Presentation on Consciousness & Spirituality, Committee Room.

Chair: Dr. Bhawna Pal, Assistant Professor, Department of Commerce, Janki Devi Memorial College. University of Delhi.

2nd Parallel Paper Presentation Session on Consciousness and Spirituality was held simultaneously in the Committee Room.

This session “Spirituality and Consciousness ” had eight presentations across different streams and backgrounds. The Central Theme of the paper ranged from the idea of "Swadharma" - Political Obligation, Teachings of Shrimad Bhagwad Gita, Vedanta, Leadership, Spirituality and Happiness, Advaita Philosophy, Greek Philosophy to Ashtavakra Gita .The session was Chair:ed by Ms.Bhawna Pal.

In the session, three authors spoke about different aspects of teachings of Ashtavakra Gita; The first scholar Syed Insha highlighted commonalities in Advaita Vedanta and Greek philosophy. Whereas Dr. Harsh Bala gave a erudite presentation about the profound leadership traits as cited in the Shree mad Bhagwat Gita, A young scholar Abhijeet Kumar discussed the idea of political obligation through the lens of Swadharma. A paper on spirituality & happiness was presented by Ms. Hema Panwar which touched upon Buddhist perspectives. Ms Ekta & Ms. Shweta jointly presented their papers on Advaita Vedanta Philosophy. Dr Sagar Kumar Sharma spoke on the tenets of the Advaita Philosophy whereas Bhaskar Bhushan spoke on the similarities between the Advaita Vedanta and Greek Philosophy. The concluding speaker of the session was Parthasarathi Sahu who presented a deep insight into the Value Systems found in the Ashtavakra Gita The session ended with some inspiring inputs and interesting observations made by Prof. Nandini Sahu, former Director and Professor of English , School of Humanities, IGNOU.

The details of the speakers for this session are as follows

1. Syed Insha, Department of Political Science, University of Delhi 'Contextualising the Idea of Political Obligation through the Lens of Svadharma: A prologue to State-Individual relationship in ancient India'
2. Dr. Harsh Bala, Department of Sanskrit, Janki Devi Memorial College, University of Delhi 'श्रीमद्भगवत गीता में मनुष्य के सर्वांगीण विकास एवं उन्नति का मार्ग'

3. Abhijeet Kumar, Department of Political Science, University of Delhi 'Vedanta as the basic culture of India: Analyzing through the lens of Chakravarti Rajagopalachari'

3. Ekta Bansal and Shweta, Department of Commerce, Janki Devi Memorial College, University of Delhi- 'Transforming leadership style and traits for Today's Organization: A Bhagavad Gita perspective.'

4. Hema Panwar, Buddhist Studies, University of Delhi 'Spirituality and Happiness'

5. Dr. Sagar Kumar Sharma, Advaita Philosophy Key Concepts and Relevance in indian knowledge system

2) Bhaskar Bhushan,.Advaita Vedanta and the Greek Philosophy: The ideatic similarities and Convergences

3) Parthasarathi Sahu, The Value System in the Ashtavakra Gita.

Day -1 Session -2- Theme -2 -: Plenary Session -Environmentalism Sustainability and Traditional Practices.

Chair:Dr. Deepak Rawat, Associate Professor, Department of EVS, Janki Devi Memorial College,University of Delhi.

Avani, the Environment Club, JDMC successfully conducted its plenary session on 23 April, 2024 on Environmentalism: Sustainability and Traditional Practices organized as a part of a two-day conference sponsored by ICSSR on 'Indigenous Knowledge System and their relevance in Contemporary Time.' The speakers for the session were Prof. Toshimenla, Nagaland University (online), Ritu Rao, the Teri School of Advanced Studies (offline), Mr. Rijit Sengupta, CRB (online) and Dr. Akash Verma, Singapore University (online). They spoke on varied topics related to the need for revival of traditional knowledge for sustainable environmentalism. The conference revolved on focusing on community sentiments and building up on inter-generational equity and preservation of traditional knowledge to challenge modern Western capitalism centric development paradigms. The session ended with inputs from the chair and formal vote of thanks.

Day -1 Plenary Session -3 Theme -3 - Classical Music in the Indian Knowledge System, Seminar Room

Chair: Dr. Gurinder Harnam Singh, Associate Professor,Department of Music, Janki Devi Memorial College,University of Delhi.

Session -3 The Plenary Session on 'Classical Music in the Indian Knowledge Systems' was successfully concluded on 23.4.2024 the first day of the two-day conference on 'Indigenous Knowledge Systems and their relevance in Contemporary Times' - sponsored by ICSSR.

The session had an august panel of four speakers.

1. Prof. Alka Nagpal, Head & Dean of the Faculty of Music and Fine Arts, University of Delhi,

2. Prof. Anupam Mahajan Head and Dean Faculty of Visual & Performing Arts at Guru Nanak Dev University Amritsar.

3. Prof. Rajiv Verma Faculty of Music and Fine Arts, University of Delhi.

4. Mr. Jayang Jhaveri Chairperson South Asian Arts Academy. He joined online from Hong Kong.

This session was Chaired by Dr. Gurinder H. Singh Associate Professor, Department of Music, JDMC. All the speakers congratulated the Principal Prof. Pal for conceptualizing and initiating this conference.

1. Prof. Alka Nagpal spoke on '*Vedic kaal se Vartman samay tak Bhartiya Sangeet ki Shiksha Paddhati*'. Prof. Alka Nagpal took every one through an engaging journey of the evolution of music from ancient to contemporary times and the importance of its sustainability and relevance in present times.

2. Prof. Anupam Mahajan's paper was titled 'Pedagogy of Imparting Traditional Knowledge in Music and its Relevance in the Present day Education System'. She proclaimed about the importance and need of including ancient embellishments like *Gamak, Meend etc Anulom, Vilom* in the present day pedagogy system as well.

3. Prof. Rajiv Verma emphasized on the need and importance for a learner to take training under a designated Guru on long term basis and the need of a minimum of 14 to 18 hours of Riyaz a day to reach performing levels.

4. Mr. Jayang Jhaveri talked about the attributes a student/disciple must have when learning from a guru. trust, faith, devotion, surrender for one's guru were a requisite. He emphasized that a disciple must ask questions but must NOT question !

The session was enriching, motivating and emotional where knowledge and wisdom poured from all the four speakers ! The session ended with inputs from the chair and formal vote of thanks.

Parallel Paper Presentation Session on Classical Music in Indian Knowledge System-Committee Room.

Chair: Dr. Gurinder Harnam Singh, Associate Professor, Department of Music, Janki Devi Memorial College.

The paper presentation session on the theme Classical Music in Indian Knowledge System of the two-day ICSSR sponsored International Conference was held in the Committee room. The session was chaired by Dr. Gurinder H. Singh, Associate Professor, Department of Music, Janki Devi Memorial College. In all, there were five paper presentations which highlighted different aspects of the Indian knowledge systems. The first paper presentation भारतीय ज्ञान परंपरा में संगीत was by Prof. Neeta Mathur from Vivekananda College Delhi University. She explained

how music was an integral part of India 's rich cultural legacy and knowledge system and how the practice-oriented traditions in music held a unique place in the world's indigenous cultures.

The second paper presentation was by Dr. Prerna Arora Department of Music, Janki Devi Memorial College. In her presentation - 'Music, Wave of Indian Gyan Ganga' she drew emphasis upon the sources of Apara and Para Vidya found in the four Vedas, the creation originating from the sound of Omkar, the source and development of Indian music as in Samveda, the Aahat and Anahat Naad and their intangible relevance with the waves of voices rising from the Ganges of Indian knowledge tradition. There were three research scholars from the Faculty of Music and Fine Arts University of Delhi who presented their papers. Scholar Keshav Kumar Dheeraj presented his paper on "The Tradition of Jugalbandi in the Dhrupad Gayan Parampara". While referring to the salient features of the Dhrupad Gayan Parampara he explained how the very stringent training in the traditional knowledge systems gave impetus and sustainability to Jugalbandi in Dhrupad Gayan through the ages. He also gave a vivid description of the well-known Dhrupad Jugalbandi (pairs) artistes. Research Scholar Ganga Priya presented her paper on 'The Musical tradition of the temples of Vrindavan' Her paper presentation was related to the musical tradition prevalent in the temples of Vrindavan. She explained how the ancient temple music and the traditional oral systems that were handed down through generations have sustained through centuries and are prevalent even today as "Samaj" singing done by the common people. Scholar Jyotsna's paper was titled 'The Imprint of Devotional Music on Hindustani Music' She explained how Hindustani musical art developed on the basis of religion and remained as a means of attaining salvation, she explained how poets, devotees and musicians enhanced the devotional experience by giving divinity to the verses. The session ended with inputs from the chair and formal vote of thanks.

DAY-2- 24. 4.2024

Day -2 Plenary Session -1 Theme-4- Environmentalism: Sustainability and Conservation, Seminar Room

Chair: Ms. Vandana Madan, Department of Sociology, Janki Devi Memorial College, University of Delhi.

On the second day - April 24 2024, the plenary session on environment focused on sustainability and conservation. The session included screening of two documentaries, one on gharial conservation by Dr. Gaurav Vashistha and the other on Taungiyen community of Maharajganj, UP and their struggle to conserve their Sal forests by Mr. Dheeraj Sarthak.

The third speaker, Dr. Vasudha Pande reflected on Eastern Himalayan Environmentalism.

This was followed by the paper presentation session on Environmentalism and sustainability. There were six paper presenters who spoke on diverse themes relating to conservation and preservation of Indigenous practices for environmental sustainability.

Parallel Paper Presentation Session on Sustainability and Conservation was held in the Committee Room from 10:45 to 11:30 am

Chair: Vasudha Pandey.

On April 24 2024, Day 2 of the international conference on Indigenous knowledge systems and their contemporary relevance, the paper presentation session was on Environmentalism and sustainability.

There were six paper presenters who spoke on diverse themes relating to conservation and preservation of Indigenous practices for environmental sustainability.

The session was chaired by Dr Vasudha Pande. The speakers included: Ms.Muskan, a student from Department of Geography, IP college , spoke on Village Economies reimagined and self-sufficiency and traditional practices affected by migration

Dr. Seema Sharma Department of Environmental sciences Vivekananda College spoke on Indigenous knowledge of water management and the methods and structures of conservation

Dr. Priyanka Sharma ,Satyawati College spoke on Epistemic syncretism and understanding the Silk Industry and the criticality of traditional practices of silk worm rearing

Dr Amita Charan, Department of Commerce, JDMC spoke on ancient trade routes and indigenous industries along the routes and their transformation overtime

Dr.Shalini Singh ,Department of Political Science,JDMC spoke on agricultural practices and the importance of seed preservation and seed sovereignty

Mr. Manan Parasher,TERI school of Advanced studies spoke on sustainable knowledge systems and understanding the environment with reference to the Shiva Purana

Day -2-Plenary Session-2- Theme -5 -The Theme: Gandhian Philosophy and Indigenous Knowledge Systems

Chair: Dr. Saumya Gupta, Associate Professor, Department of History, Janki Devi Memorial College, University of Delhi.

Day 2. Plenary Session of Gandhi Study Circle the Theme: Gandhian Philosophy and Indigenous Knowledge Systems the Panelists: Dr. Saumya Gupta. Chair, Professor Prabal Roy Choudhury Director, Center for New India Studies, Professor Vikas Gupta, Department of History, Delhi University, Professor Santosh Kumar Roy Department of History, Delhi University, Dr Satyendra Srivastav Assistant Professor, Department of Philosophy, Kirori Mal College, Delhi University. Professor Prabal Roy Choudhury. Spoke of the indigenous systems of education in 1825 as more progressive. And vibrant than the nascent systems of public education emerging in England at the end of the 18th century. He posited that the British system of education acted as a disruption to an already established and robust system that was catering to a large section of the indigenous population including those from the socially marginalized sections. Professor Vikas Gupta provided A socio-historical perspective on Indian knowledge systems which focused on Gandhiji's schemes of nai talim as an alternative to the colonial discourse on discipline and moral education. Professor Santosh Kumar Rai explored the possibility of co- opting Gandhian ideas of Swaraj, Khadi, Charkha and spinning as a model for community and social development giving

greater meaning and depth to the experience of body labor. Professor Satyendra Srivastav's paper examined the Gandhian notion of seven social sins and how they provide deep insights into addressing the ethical crisis of humanity in contemporary times. This was followed by two parallel paper presentation sessions with 8 paper presentations on Gandhian Philosophy and Indigenous Knowledge Systems

Parallel Paper Presentation Session -1. on Gandhian Philosophy and Indigenous Knowledge System ,Committee Room

Chair: Dr Poonam Kanwal, Associate Professor, Department of Political Science, Janki Devi Memorial College, University of Delhi

P. Amulya and Kashish Jain, Department of Political Science, University of Delhi

‘MAJJHIMA PATIPADA : Sustainability through the Integration of Ancient Life Practices and Appropriate Technology in Gandhian Philosophy’

Dr Vandana, Department of Hindi, Janki Devi Memorial College, University of Delhi ‘गाँधी और सामाजिक न्याय’

Dr Akanksha Kumar, Department of History, Janki Devi Memorial College, University of Delhi ‘Role of Harijan Sewak Sangh in Rehabilitation of Refugees from the Partition of India, 1947’

Dr Kush Kumar Gayasen, Department of Political Science, Janki Devi Memorial College, University of Delhi ‘Gandhi and Social Justice: Philosophy, Practices, and Relevance’

Dr Natasha Nongbri, Department of History, Janki Devi Memorial College, University of Delhi ‘Gandhi and Tea: Exploring the Indigenous Roots of Tea’

2:00 to 3:00 pm – Parallel Paper Presentation Session-2, on Gandhian Philosophy and Indigenous Knowledge System, Room no 68

Chair: Dr Gurinder H. Singh Associate Professor, Department of Music, Janki Devi Memorial College, University of Delhi.

Dr. Debahuti Pol Sc Dept. presented her paper on Globalism, Marginalized Communities and Social Justice. Drawing attention towards the Puppeteers of Rajasthan, she focused on the idea of Sarvodaya as envisaged by Gandhi with respect to marginalized communities. In order to understand the situation of social justice and rights of the indigenous communities which have been diminished by the coercive and hegemonistic forces of globalization, she relocated the idea of social justice and rights of the marginalized/ indigenous communities which have been diminished by the coercive and hegemonistic forces of globalization. Paper Presentation on Gandhian Philosophy of Trusteeship and CSR was jointly presented by Dr. Shilpa Magoo and Dr. Mamta Sharma from the economics department. Gandhi's philosophy of trusteeship behind CSR adoption in India via Companies Act 2013 was discussed in the paper. It was stated that their relevance could not be denied in today's world even though there may be different contradictory views on its application. Since businesses are responsible towards society and they must act responsibly therefore they should contribute towards societal development. Tata

Industries, Reliance Industries, Infosys, Wipro etc. are some of the renowned companies working effortlessly for societal development and thus setting examples for others. Dr. Khurshid Alam Presented his paper on 'Social Harmony: Mahatma Gandhi and Martin Luther King Junior' Through this paper presentation Dr. Khurshid Alam, highlighted similarities and dissimilarities between King Luther and Mahatma Gandhi. He spoke about the contributions of Mohandas Karamchand Gandhi for the freedom struggle for India and about Martin Luther King's successful launch of the nonviolent struggle against racial discrimination in the United States.

VALEDICTORY SESSION - SEMINAR ROOM

The valedictory session on the Indian Knowledge System (IKS) which was held in the seminar room marked the culmination of an enriching series of discussions and presentations aimed at exploring the vast and profound contributions of India to global knowledge and culture. The session was attended by esteemed scholars, educators, students, and dignitaries, all of whom gathered to celebrate the achievements and potential of IKS in contemporary society.

The session began with a warm welcome to the guest speaker Prof. Ramnath Jha, by Prof. Swati Pal, (Principal Janki Devi Memorial College). Prof. Pal emphasized the significance of IKS in the modern world. The opening remarks highlighted the objective of the conference: to rediscover, reinterpret, and reintroduce traditional Indian knowledge in a manner that is relevant and beneficial to today's global challenges.

The Valedictory address was delivered by Prof. Ramnath Jha, a renowned Sanskrit scholar in Indian philosophy JNU. Prof. Jha (who joined online) underscored the holistic nature of IKS, which integrates diverse fields such as science, mathematics, medicine, philosophy, Environment, Music, arts, and spirituality. He elaborated on the contributions of ancient texts like the Vedas, Upanishads, and Puranas, and their relevance in fostering a sustainable and inclusive world. He said, Vedic knowledge presents profound metaphysical and cosmological concepts. The Rigveda, the oldest of the four Vedas, explores the origins of the universe, the nature of existence, and the interconnectedness of all life. Vedic knowledge includes significant contributions to mathematics and astronomy. Texts like the Sulbasutras provide insights into geometry and the construction of altars, reflecting advanced mathematical understanding. Vedic knowledge includes significant contributions to mathematics and astronomy. Texts like the Sulbasutras provide insights into geometry and the construction of altars, reflecting advanced mathematical understanding. Vedic knowledge delves into the nature of consciousness and the self. Concepts like Atman (soul) and Brahman (universal consciousness) explore the relationship between individual existence and the cosmos. He also discussed the role of music within IKS.

The session concluded with the principal appreciating the director and all the members of CUVE for efficiently organizing this conference and encouraged the Centre to have more such events in the future as well. Dr. Perna Arora-Director CUVE, summarized the proceedings of the conference and gave the vote of thanks, acknowledging the contributions of all the members, participants, organizers, and sponsors. The conference on the Indian Knowledge System successfully showcased the depth and diversity of India's intellectual heritage, inspiring attendees to explore and apply this knowledge in their respective fields. The valedictory session reaffirmed the enduring value of IKS and its potential to contribute to global knowledge,

sustainability, and cultural richness. The event fostered a renewed commitment to preserving the diverse richness and legacy of the ancient Indian Knowledge systems for posterity.

CONFERENCE POSTERS

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
CENTRE FOR UNIVERSAL VALUES AND ETHICS
UNDER THE AEGIS OF IQAC
Invites you all to
a two day
INTERNATIONAL CONFERENCE
Sponsored by
Indian Council of Social Science Research
ON
INDIGENOUS KNOWLEDGE SYSTEMS
& THEIR RELEVANCE
IN CONTEMPORARY TIMES

23-24 APRIL, 2024 **10 AM ONWARDS**
SEMINAR HALL, JDMC

DR. PREMA ARORA
DIRECTOR
CUVE

DR. PREMA ARORA
DR. BINDU K. SINGH
PROF. SUDHA UPADHYAYA
SMT. VANDANA MADAN
DR. SAUNYA DUTTA
DR. NATASHA NONGRI
ORGANIZING
COMMITTEE

PROF. PAYAL NAGPAL
IQAC
CO-ORDINATOR

PROF. SWATI PAL
PRINCIPAL

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
सार्वभौमिक मूल्य और नैतिकता केंद्र
(आईक्यूएसी के तत्वावधान में)
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
द्वारा प्रायोजित द्वि-दिवसीय
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
स्वदेशी ज्ञान प्रणालियाँ
और
समसामयिक समय में उनकी प्रासंगिकता

23-24 अप्रैल, 2024 **सुबह 10 बजे से**
सेमिनार हॉल, जेडीएमसी

डॉ. प्रेमा अरोड़ा
निदेशक
सी.यू.वी.ई.

डॉ. प्रेमा अरोड़ा
डॉ. बंधु क. सिंह
डॉ. सुधा उपध्याय
श्रीमती वंदना मदन
डॉ. सायना दुता
डॉ. नातशा नंगरी
संयोजक समिति

प्रो. पायल नागपाल
आईक्यूएसी
समन्वयक

प्रो. स्वाति पाल
प्राचार्य

DAY 1 - INAUGURAL SESSION



SESSION -1



SESSION -2



SESSION -3



DAY -2 SESSION -1



SESSION -2



VALEDICTORY SESSION





Event - Seminar under the Jagat Guru Shankaracharya Lecture Series Bhartiya Bhasha Samiti, Ministry of Education , Government of India.

Seminar theme - "Proponent of national and spiritual unity : Jagadguru Shankaracharya

Date - 19 March, 2024

Venue- Seminar Room

Time - 9:30 am

Centre for Universal values and ethics ,Janki Devi Memorial College, University of Delhi (under the aegis of IQAC) organized a one-day Seminar on 19th of March 2024 on the topic "Proponent of national and spiritual unity :Jagadguru Shankaracharya "under the Jagat Guru Shankaracharya Lecture Series ,Bhartiya Bhasha Samiti ,Ministry of Education , Government of India .The program was organized in two sessions .The first session was presided over by the College Principal Prof. Swati Pal, Ms Mithilesh Kumari from Chinmaya Mission and Dr. Pawan Singh from JP Bose University.

In the inaugural address professor Pal lightened the audience with the life and contribution of Jagadguru Shri Shankaracharya ji in uniting the people of Bharat and awakening them. Our Principal emphasized upon the fact that Aadi Guru Shankaracharya ji propagated the tradition of dialogue which is considered to be vital in building a healthy society.

In her important address Ms Mithilesh Kumari ji underlined many important aspects like the true meaning of religion, knowledge of the Self, Advaita philosophy and the purpose of human life as propagated by Bhagwan Shankaracharya. Dr Pawan Singh also shared his significant views regarding monism and Hindutva according to Shankaracharya ji. In the second session of the program, Professor Ram Salah dwivedi ji, Chairman of the Vyakaran Department of Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University discussed in detail about the Rishi Parampara, concept of rebirth ,the principle of Karma and its fruits etc as explained by Jagadguru Shankaracharya. The next speaker of the second session was Swami Nityadipananda Ji from Ramkrishna Mission Delhi who described in detail the main teachings of Shankaracharya ji.He explained the Shankara's Advait philosophy to the students in a comprehensible way. Dr Jayanthi Sahoo, Associate Professor Philosophy Department, JDMC was the last speaker of the session .She said that the most invaluable contribution of Shankaracharya is that he was the proponent of the Shastra tradition who worked to bring the Upanishads to the people. Dr. Perna Arora, Prof. Sandhya Garg, Prof. Sudha Upadhyay, Dr. Renuka, Dr. Deendayal, Dr. Harsh Bala, Dr. Rahul Prasad, Dr. Nisha Malik, Ms. Jyoti, Dr. Manjari Gupta played an important role in the coordination committee of the program.



JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE (University of Delhi)

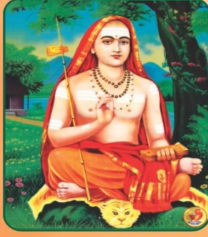
Centre for Universal Values and Ethics
under the aegis of IQAC

and

Bhartiya Bhasha Samiti
(Ministry of Education, Govt of India)

JAGADGURU SHANKRACHARYA LECTURE SERIES

**TOPIC : Proponent of National and Spiritual Unity:
Jagadguru Shankracharya**



Chair : Prof. Swati Pal (JDMC)

Speakers :

Mithilesh Kumari (Chinmaya Mission)
Dr. Pawan Singh (J P Bose Univ. Faridabad)
Prof. Ram Salahi Diwedi (SCBSSVP)
Nitya Deepanand (Ramakrishna Mission)
Dr. Jayanti Sahoo (JDMC)

19 March 2024 10:30 am Seminar Hall

Dr. Purna Arora
Director
Centre for Universal Values
and Ethics

Prof. Payal Nagpal
IQAC Coordinator

Sudhakar Upadhyaya
Bhartiya Bhasha Samiti
Ministry of Education

Prof. Sandhya Garg
Prof. Sudha Upadhyaya
Dr. Ramka , Dr. Deendayal
Dr. Rahul Prasad
Dr. Harsh Bala
Organising Committee

Prof. Swati Pal
Principal



जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सार्वभौमिक व नैतिक मूल्य केन्द्र
आई वयू ए सी

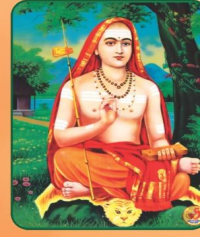
एवं

भारतीय भाषा समिति
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

के तत्वावधान में

जगद्गुरु शंकराचार्य व्याख्यान माला

**विषय : राष्ट्रीय व आध्यात्मिक एकता के संवाहक :
जगद्गुरु शंकराचार्य**



अध्यक्षता : प्रो. स्वाति पाल

मुख्य वक्ता :

मिथिलेश कुमारी (चिन्मय मिशन)
डॉ. पवन सिंह (जे पी बोस यूनिव. फरीदाबाद)
प्रो. राम सहाय दिवेदी (बी एस कानपुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय)
निरा दीपानंद (रामकृष्ण मिशन)
डॉ. जयंती साहू (जे पी एन सी)

19 मार्च 2024 10:30 बजे प्रातः सेमिनार हॉल

निर्देशक
डॉ. प्रेरणा अरीड़ा
सार्वभौमिक व नैतिक मूल्य केन्द्र
आई वयू ए सी
प्रो. पावल नागपाल

सुधाकर उपाध्याय
सीनियर प्रोफेसर, राजस्थान विश्वविद्यालय

संयोजन समिति
प्रो. संजया वर्मा
प्रो. सुभा उपाध्याय
डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. रीनकरपाल
डॉ. राहुल प्रसाद
डॉ. हर्षवर्मा

प्राचार्य
प्रो. स्वाति पाल



Cardiac Health Awareness & CPR Training

Date- 26 September,2023

Time-11.00 Am onwards

Venue - Health check up- Medical Room
CPR training-Seminar Room

The Centre for Universal Values and Ethics organized a workshop for 'Cardiac Health Awareness and CPR Training', on 26th September in the Seminar Room. In the workshop, the teaching and non-teaching staff of the college was given thorough medical check-up and diagnosis. Tests for ECG, Diabetes and Blood Pressure were conducted. Further, the event in the Seminar Room commenced with honoring the dignitaries, Dr. Kavita Tyagi, Interventional Cardiologist, Sir Ganga Ram Hospital, New Delhi and Mr. Arun Kumar, Assistant Commissioner, New Delhi, Lecturer First-aid. The guests were presented with potted plants as a token of gratitude. Dr. Tyagi addressed the audience and informed about the increase in cardiovascular diseases in South Asians. She also discussed other 'silent killers' like hypertension and diabetes that lead to a higher risk of cardiovascular diseases. She urged the students to get regular health check-ups and evaluations.

Mr. Kumar then enlightened the audience on the significance of CPR and CPR Training. He taught the students the correct and systematic way of giving CPR in detail. He used a dummy to demonstrate the steps in sequence. The event concluded with a heartfelt gratitude to the dignitaries for sharing their words of wisdom with the audience.



Janki Devi Memorial College
(University of Delhi)
Centre for Universal Values and Ethics
Under the aegis of IQAC
presents a workshop on

CARDIAC HEALTH AWARENESS & CPR TRAINING



Dr. Kavita Tyagi
Interventional
Cardiologist
Sir Ganga Ram
Hospital
New Delhi



Mr. Arun Kumar
Assistant Commissioner
(Seva Medal,
Jiv Raksha Padak)
New Delhi
(St. John Ambulance Brigade)
Lecturer First-Aid, Home-Nursing,
Master Trainer (ToT)
Indian Red-Cross

FREE HEART HEALTH CHECKUP AT 11 AM IN THE MEDICAL ROOM

Tuesday
26th Sep 2023

12 Noon

Seminar Room

Courtesy : Om Help Foundation, Karol Bagh, New Delhi
<https://forms.gle/4hE7TvgHo9o2DKncA>

Coordinators
Dr. Purna Arora
Director, Center for
Universal Values
and Ethics
Prof. Payal Nagpal
IQAC Coordinator
Prof. Swati Pal
Principal



जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
सार्वभौमिक मूल्य और नैतिकता केंद्र
आईक्यूएसी के तत्वावधान पर एक कार्यशाला प्रस्तुत करता है

हृदय स्वास्थ्य जागरूकता एवं सीपीआर प्रशिक्षण



डॉ. कविता त्यागी
इंटरवेंशनल
कार्डियोलॉजिस्ट
सर गंगा राम अस्पताल
नई दिल्ली



श्री अरुण कुमार
सहायक आयुक्त
(सेवा पदक, जीव रक्षा पदक)
नई दिल्ली (सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड)
व्याख्याता प्राथमिक चिकित्सा, होम-नर्सिंग।
मास्टर ट्रेनर (टीओटी)
भारतीय रेड-क्रॉस

निःशुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच सुबह 11 बजे मेडिकल रूम में

मंगलवार
26 सितम्बर 2023

दोपहर बारह बजे

सम्मेलन कक्ष

सौजन्य: ओम हेल्प फाउंडेशन, करोल बाग, नई दिल्ली
<https://forms.gle/4hE7TvgHo9o2DKncA>

संयोजक
डॉ. प्रेरणा अरोड़ा
निदेशक, सेंटर फॉर
यूनिवर्सल वैल्यूज
एंड एथिक्स
प्रोफेसर पायल नागपाल
आईक्यूएसी समन्वयक
प्रोफेसर स्वाति पाल
प्राचार्या



Health checkup in medical room

दैनिक उत्तम हिन्दू

■ पंजाब ■ हरियाणा ■ हिमाचल ■ मंडीगढ़ ■ दिल्ली ■ उत्तर प्रदेश

जानकी देवी महिला महाविद्यालय में हार्ट जागरूकता शिविर आयोजित

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली : ओम हेल्थ फाउंडेशन द्वारा स्कूल कॉलेज के बच्चों को कार्डियक हेल्थ एजुकेशन के लिए शुरू अभियान के तहत राजेंद्र नगर में जानकी देवी महिला महाविद्यालय में हार्ट जागरूकता शिविर व सीपीआर ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सर गंगा राम हॉस्पिटल की वरिष्ठ हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कविता त्यागी ने की। इस अवसर पर डॉक्टर कविता त्यागी ने एक विशेष लेक्चर के माध्यम से कॉलेज छात्रों को हार्ट की संरचना व हार्ट रोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि हृदय हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है इसलिए हृदय का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज पूरे विश्व के 60



प्रतिशत हृदय रोगी भारत में हैं। भारत में हार्ट की बीमारी दूसरे देशों की तुलना में ज्यादा लोगों को होती है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 50 प्रतिशत लोगों को हृदय रोग की बीमारी 50 वर्ष से कम उम्र में ही हो जाती है जबकि 25 लोगों की 40 वर्ष की कम उम्र में हृदय रोग हो जाता है। उन्होंने कहा कि गर्भवती कॉलेज में लेकर देने का उद्देश्य यही है कि महिलाओं को हार्ट रोगों के

बारे में ज्यादा कैररफुल रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि महिलाओं में स्मोकिंग से हार्ट रोग का खतरा पुरुषों की अपेक्षा 6 गुना ज्यादा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि समान में ऐसी धारणा है कि हार्ट की बीमारी महिलाओं में कम होती है लेकिन ऐसा नहीं है। 63 प्रतिशत महिलाओं को मृत्यु हार्ट की बीमारी से हो जाती है। उन्होंने बताया कि महिलाओं में हार्ट रोग के लक्षण माइलड होते हैं।

महिलाओं को सांस फूलना, अचानक कमजोरी भ्रमन महसूस करना आदि लक्षण बिना चेस्ट पेन के भी हो सकते हैं, इसलिए नियमित रूप से अपने बीपी व ब्लड शुगर की जांच कराते रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के 50 से अधिक स्टाफ मैम्बर्स व छात्राओं का स्वास्थ्य जांच भी की गई तथा जंकफूड व मरीजों का ईसीजी टेस्ट भी किया गया।

इस शिविर में डॉक्टर कविता त्यागी व इंडियन रेड क्रॉस के मास्टर ट्रेनर अरुण कुमार ने बच्चों को सीपीआर तकनीक के बारे में प्रशिक्षित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर स्वाति पाल, डॉक्टर प्रेमा अरोड़ा, डॉ. पालन, डॉक्टर योग नेगी, डॉ. रेणुका, स्टाफ नर्स सुपमा देवी सहित अन्य फैकल्टी मेबर उपस्थित रहे।

Health check up camp organized in Janaki Devi College



New Delhi: A health check-up camp and CPR training program was organized at Janaki Devi Memorial College, Rajinder Nagar on Tuesday. This camp was presided over by Dr. Kavita Tyagi, senior heart disease specialist of Sir Ganga Ram Hospital, New Delhi. In this camp, Dr. Kavita Tyagi participated. The health of more students and staff was examined. Dr. Kavita Tyagi and Red Cross master trainer Arun Kumar trained the college students about CPR techniques through lecture and demo. Dr. Kavita Tyagi gave detailed information about heart diseases to the college students. Dr. Kavita Tyagi told that the heart is an important part of our body, hence special care should be taken of the heart. Keep getting your BP and blood sugar checked regularly and also get your lipid profile checked. He said that if our heart is healthy then the whole body will remain healthy. He said that nowadays the disease of heart attack is increasing rapidly among the youth, the main reason of which is lack of physical exertion, stress and irregular eating habits.

Media coverage



CPR Training



Lecture on health awareness



Theme - Justice , Equality and Dignity

Date: 13 September , 2023

Venue: Seminar Room, Janki Devi Memorial College

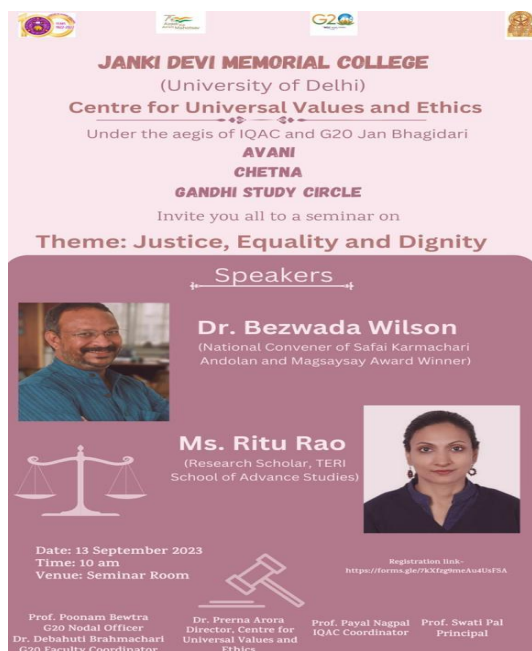
Time - 10 : 00 am

The Centre for Universal Values and Ethics (Avani, The Environment Club: Chetna, The Spiritual Consciousness Cell and Gandhi Study Circle) organized a seminar on the theme “Justice , Equality and Dignity” under the Jan Bhagidari Program, on September 13 at 10 am in the Seminar Room of Janki Devi Memorial College, University of Delhi. The event commenced with welcoming the dignitaries, Dr. Bezwada Wilson, National Convenor of Safai Karmachari Andolan and Magsaysay Award Winner, and Ms. Ritu Rao, a Research Scholar in TERI School of Advanced Studies. The guests were presented potted plants as a token of gratitude by the Centre Director, Dr. Prerna Arora.

Dr. Wilson addressed the audience first and shared his views on equality as a fundamental value necessary for humans in all walks of life. He shared a personal anecdote where he was barred from entering a village because of being “untouchable” and how it inspired him to raise his voice against these atrocities . At last, he urged the students to do away with the superiority syndrome and make equality and justice the utmost priority in their life.

Ms. Rao, then enlightened the audience on how environmental crises are connected to social crises. She shared her views on the predicament of Najafgarh lake which has become the most polluted drain that pollutes Yamuna. Moreover, Ms. Rao highlighted the significance of community engagement for a sustainable and better future.

The session was a full house and the audience was highly impressed by the thoughts of both the speakers. The event concluded with a formal vote of thanks to the dignitaries for sharing their experience with the audience.



JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
(University of Delhi)
Centre for Universal Values and Ethics
Under the aegis of IQAC and G20 Jan Bhagidari
AVANI
CHETNA
GANDHI STUDY CIRCLE
Invite you all to a seminar on
Theme: Justice, Equality and Dignity

Speakers

Dr. Bezwada Wilson
(National Convenor of Safai Karmachari Andolan and Magsaysay Award Winner)

Ms. Ritu Rao
(Research Scholar, TERI School of Advance Studies)

Date: 13 September 2023
Time: 10 am
Venue: Seminar Room

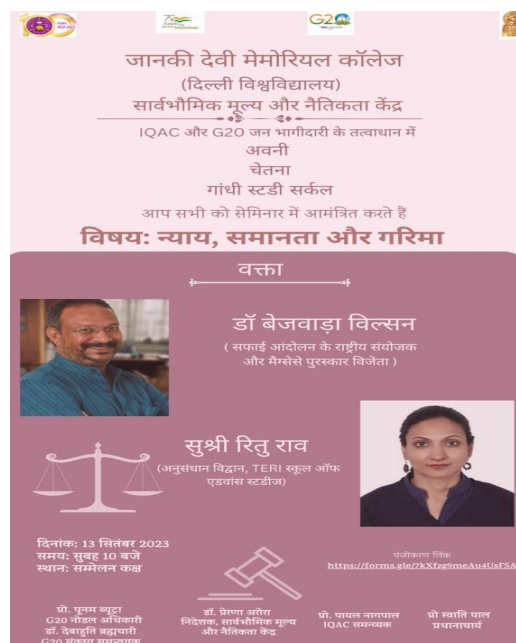
Registration link:
<https://forms.gle/7KX2gmeAsu4Ud3A>

Prof. Poonam Bewtra
G20 Nodal Officer
Dr. Debahuti Brahmachari
G20 Faculty Coordinator

Dr. Prerna Arora
Director, Centre for Universal Values and Ethics

Prof. Payal Nagpal
IQAC Coordinator

Prof. Swati Pal
Principal



जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
सार्वभौमिक मूल्य और नैतिकता केंद्र
IQAC और G20 जन भागीदारी के तत्वाधान में
अवनी
चेतना
गांधी स्टडी सर्कल
आप सभी को सेमिनार में आमंत्रित करते हैं
विषय: न्याय, समानता और गरिमा

वक्ता

डॉ. बेजवाड़ा विल्सन
(सफाई आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता)

सुश्री रितु राव
(अनुसंधान विद्वान, TERI स्कूल ऑफ एडवेंस स्टडीज)

दिनांक: 13 सितंबर 2023
समय: सुबह 10 बजे
स्थान: सम्मेलन कक्ष

परीक्षण लिंक
<https://forms.gle/7KX2gmeAsu4Ud3A>

प्रो. पूनम बेवट्रा
G20 नोडल अधिकारी
डॉ. देबाहुति ब्रह्मचारी
G20 संकाय समन्वयक

डॉ. प्रेरणा अरोरा
निदेशक, सार्वभौमिक मूल्य और नैतिकता केंद्र

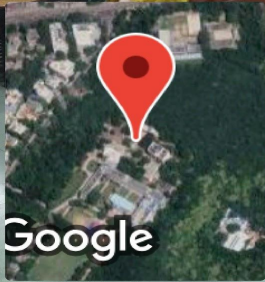
प्रो. पायल नागपाल
IQAC समन्वयक

प्रो. स्वाति पाल
प्रधानाचार्य





GPS Map Camera



Delhi, Delhi, India

Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old
Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India

Lat 28.642451°

Long 77.192048°

13/09/23 11:04 AM GMT +05:30